अभ्यास प्रश्न 2021-22
हिंदी – अ (कोड-002)
कक्षा – दसवीं
प्रथम सत्र

1. नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को पढ़कर उसपर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

निंदा, क्रोध और घृणा, ये सभी दुर्गुण हैं। लेकिन मानव जीवन में से अगर इन दुर्गुणों को निकाल दीजिए, तो संसार नरक हो जाएगा। यह निंदा का ही भय है, जो दुराचारियों पर अंकुश का काम करता है। यह क्रोध ही है, जो न्याय और सत्य की रक्षा करता है और यह घृणा ही है जो पाखंड और धूर्तता का दमन करती है। इनका जब हम दुरुपयोग करते हैं, तभी ये दुर्गुण हो जाते हैं। दया, करुणा, प्रशंसा और भक्ति का भी दुरुपयोग किया जाए, तो वे दुर्गुण हो जाएँगे।

आत्मरक्षा प्राणी का सबसे बड़ा धर्म है और हमारी सभी मनोवृत्तियाँ इसी उद्देश्य की पूर्ति करती हैं। वही विष, जो प्राणों का नाश कर सकता है, प्राणों का संकट भी दूर कर सकता है। मनुष्य को गंदगी से, दुर्गन्ध से, क्यों स्वाभाविक घृणा होती है? केवल इसलिए कि गंदगी से बचे रहना उसकी आत्मरक्षा के लिए आवश्यक है। मनुष्य विकास-क्षेत्र में उन्नति करते-करते इस पद को पहुँच गया है कि उसे हानिकारक वस्तुओं से अपने आप घृणा हो जाती है। घृणा का ही उग्र रूप भय है और परिष्कृत रूप विवेक। ये तीनों एक ही वस्तु के नाम हैं, उनमें केवल मात्रा का अंतर है।

घृणा आत्मरक्षा का ही एक रूप है। जिस वस्तु का जीवन में इतना मूल्य है, उसे शिथिल होने देना, अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना है। हममें अगर भय न हो तो साहस का उदय कहाँ से हो? बल्कि जिस तरह घृणा का उग्र रूप भय है, उसी तरह भय का प्रचंड रूप ही साहस है। ज़रूरत केवल इस बात की है कि हम व्यक्तियों से घृणा न करके उनके बुरे आचरण से घृणा करें। घृणा का उद्देश्य ही यह है कि उससे बुराइयों का परिष्कार हो।

जीवन में जब घृणा का इतना महत्त्व है, तो साहित्य कैसे उसकी उपेक्षा कर सकता है, जो जीवन का ही प्रतिबिंब है? साहित्य की सृष्टि ही इसलिए हुई कि संसार में जो 'सु' या सुंदर है और इसलिए कल्याणकर है, उसके प्रति मनुष्य में प्रेम उत्पन्न हो, तथा जो 'कु' या असुंदर है और इसलिए असत्य है, उसके प्रति घृणा हो। साहित्य और कला का यही मुख्य उद्देश्य है। 'कु' और 'सु' का संग्राम ही साहित्य का इतिहास है।

- प्रेमचंद

(i) *जिस वस्तु का जीवन में इतना मूल्य है, उसे शिथिल होने देना, अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना है।*

दिए गए वाक्य में 'जिस वस्तु' किस चीज़ के लिए प्रयुक्त हुआ है?

(क) भय

(ख) घृणा

(ग) साहस

(घ) आत्मरक्षा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) *'पाप से घृणा करें, पापी से नहीं।'*

गद्यांश के कौन-से अनुच्छेद में यह विचार सामने आता है?

(क) अनुच्छेद 1

(ख) अनुच्छेद 2

(ग) अनुच्छेद 3

(घ) अनुच्छेद 4

(iii) गद्यांश के आधार पर कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

(क) मनुष्य को केवल सगुणों पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए।

(ख) जीवन में दुर्गुणों का कार्य सगुणों को संतुलित रखना है।

(ग) उचित मात्रा में उपस्थित दुर्गुण सगुण के सामान होता है।

(घ) साहित्य का मुख्य उद्देश्य है केवल 'सु' को उजागर करना

(iv) *'...साहित्य कैसे उसकी उपेक्षा कर सकता है, जो जीवन का ही प्रतिबिंब है?'*

दिए गए वाक्य के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है?

(क) साहित्य के बिना मनुष्य का जीवन नीरस हो जाता है।

(ख) साहित्य के विषय अक्सर आम जीवन से प्रेरित होते हैं।

(ग) एक सकुशल जीवन के लिए साहित्य का ज्ञान ज़रूरी है।

(घ) लोगों को अपना जीवन साहित्य से प्रेरित होकर बिताना चाहिए।

(v) 'नरक' शब्द का मानक रूप चुनिए।

(क) नर्क

(ख) नक्र

(ग) र्नक

(घ) नृक

अथवा

भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम है। यह भाषा की शायद सबसे पुरानी और सहज परिभाषा है। इसके साथ संस्कृति की पहचान को भी जोड़ा जाता है। भाषा व्यक्तियों के एक पूरे समाज को, एक समूची सभ्यता को परिभाषित करती है। भाषा इस बात का दस्तावेज़ीकरण भी है कि मनुष्य कैसे जिया था और कैसे जी रहा है। इस दृष्टि से देखें तो भाषा हमारा पूरा इतिहास है, जो हमें देखे गए और देखे जाने वाले सपनों, अच्छे और बुरे, दोनों से परिचित करवाती है। यह सब समझने के बाद जब यह पता चलता है कि भाषा मरती भी है, तो एक झटका-सा लगना स्वाभाविक है। जब यह अहसास होता है कि अपनी किसी भाषा के मरने में हमारा भी योगदान होता है, तो झटका बिजली के करंट जैसा हो जाता है। एक भाषा के मरने का अर्थ है एक इतिहास का मिटना, या फिर ऐसा कहें कि मिटना नहीं, मिटाना।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

हमारे देश में कई भाषाएँ और बोलियाँ हैं। इतनी भाषाएँ होने से इस बात का पता ही नहीं चलता कि कब और कहाँ हमारी ही कोई भाषा मर रही है। भारतीय भाषाओं के केंद्रीय संस्थान के एक आकलन के अनुसार, लगभग 200 भारतीय भाषाएँ ख़तरे में हैं। भाषाओं के ख़तरे में होने का अर्थ है कि, कभी ऐसी भी स्थिति आ सकती है कि किसी भाषा को बोलने वाला कोई बचे ही नहीं। यह स्थिति दो तरीकों से आती है। एक तो यह कि प्राकृतिक कारणों से कोई भाषा बोलने वाला समाज विलुप्त हो जाए। दूसरा यह कि कोई समाज स्वयं अपनी भाषा (मातृभाषा) के प्रति उदासीन हो जाए, किसी और भाषा को बेहतर मानकर उसे स्वीकार कर ले। ख़तरा तो दोनों तरीकों से है। पर यह दूसरा तरीका अधिक ख़तरनाक प्रतीत होता है। इसका मतलब होता है अपनी भाषा, अर्थात अपनी सभ्यता और संस्कृति की अवमानना। यह अपनी पहचान के प्रति आपराधिक उदासीनता है। जब स्थिति ऐसी आ जाए कि अपनी भाषा बोलना अपमानजनक लगने लगे, अथवा दूसरी भाषा में बोलने की क्षमता शान की बात मानी जाए, तो भाषा धीरे-धीरे मरने लगती है। बल्कि यह कह सकते हैं हम उसे मार देते हैं। इससे त्रासद स्थिति और क्या हो सकती है?

- *विश्वनाथ सचदेव*

(i) हमारी भाषा कब मरने लगती है?

(क) जब हम अपनी भाषा का प्रयोग सोच-समझकर नहीं करते

(ख) जब हम अपनी भाषा को सीखने में ज़्यादा समय लगाते हैं

(ग) जब हम अन्य भाषाओं में बोलना सीख जाते हैं

(घ) जब हम अन्य भाषा को बेहतर मानने लगते हैं

(ii) भाषा हमें किसके बारे में बताती है?

(क) हमारी सभ्यता के भूत और वर्तमान काल के बारे में

(ख) हमारे जीवन में अच्छे सपनों के महत्त्व के बारे में

(ग) हमारी संस्कृति को नई पहचान देने के बारे में

(घ) हमारे समाज पर आने वाले ख़तरों के बारे में

(iii) लेखक के अनुसार कौन-सी बात हमें धक्का पहुँचा सकती है?

(क) कि भाषा हमारी संस्कृति की पहचान है

(ख) कि भाषा हमारे कारण ख़त्म हो सकती है

(ग) कि भाषा के मरने से मानव जाति ख़त्म हो सकती है

(घ) कि मातृभाषा बोलना अपमानजनक भी लग सकता है

(iv) गद्यांश के अनुसार, भाषा के स्वयं मिटने और उसे मिटा देने में क्या अंतर है?

(क) भाषा प्राकृतिक कारणों से मिट सकती है, परन्तु उसका मिटाया जाना मानवीय कारणों से होता है।

(ख) बहुत-सी भाषाएँ रोज़ मिटती रहती हैं, पर उन्हें मिटाना एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है।

(ग) भाषा के स्वयं मिटने से कोई ख़तरा नहीं है पर उसे मिटाना बहुत ख़तरनाक है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(घ) ऐसे किसी अंतर के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

(v) पहले अनुच्छेद में मुख्य रूप से क्या बताया गया है?
(क) भाषा का संपूर्ण इतिहास
(ख) दैनिक जीवन में भाषा का प्रयोग
(ग) मनुष्य और भाषा का अनोखा संबंध
(घ) भाषा के भविष्य को सुधारने के सुझाव

(ख) नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

वर्षा ने आज विदाई ली जाड़े ने कुछ अंगड़ाई ली,
प्रकृति ने पावस बूँदों से रक्षण की नव भरपाई ली। [1]

सूरज की किरणों के पथ से काले-काले आवरण हटे,
डूबे टीले महकन उठ्ठी दिन की रातों के चरण हटे। [2]

पहले उदार थी गगन वृष्टि अब तो उदार हो उठे खेत,
यह ऊग-ऊग आई बहार वह लहराने लग गई रेत। [3]

ऊपर से नीचे गिरने के दिन-रात गए छवियाँ छाईं,
नीचे से ऊपर उठने की हरियाली पुनः लौट आई। [4]

अब पुनः बाँसुरी बजा उठे ब्रज के यमुना वाले कछार,
धुल गए किनारे नदियों के धुल गए गगन में घन अपार। [5]

नालों नदियों सागरों सरों ने नभ से नीलांबर पाए,
खेतों की मिटी कालिमा उठ वे हरे-हरे सब हो आए। [6]

घिरने गिरने के तरल रहस्यों का सहसा अवसान हुआ,
दाएँ-बाएँ से उठी पवन उठते पौधों का मान हुआ। [7]

आने लग गई धरा पर भी मौसमी हवा छवि प्यारी की,
यादों में लौट रही निधियाँ मनमोहन कुंज बिहारी की। [8]

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

- माखनलाल चतुर्वेदी

(i) कवि ने वर्षा के जाने के बाद प्रकृति में किस बदलाव का वर्णन नहीं किया है?

(क) दिन-रात बारिश होने से राहत मिलना

(ख) खेतों की काली मिट्टी से पौधों का हरा-भरा होना

(ग) वर्षा के पानी में डूबे टीलों का फिर से दिखाई देना

(घ) जाड़े के आगमन से धरती पर वातावरण का सुहावना होना

(ii) *'सूरज की किरणों के पथ से काले-काले आवरण हटे'*

इस पंक्ति का आशय क्या है?

(क) सूरज की किरणें काले-काले रास्तों से गुज़र रही हैं।

(ख) सूरज की किरणों के रास्ते में से काले-काले बादल हट गए हैं।

(ग) काले-काले बादलों के कारण दिन में ही रात जैसा प्रतीत होता है।

(घ) काले-काले बादलों के कारण सूरज की रोशनी ज़मीन पर नहीं आ रही है।

(iii) *बादलों के घिरने और आसमान से बारिश के रूप में पानी गिरने का रहस्य अचानक समाप्त हो गया है।*

यह भाव किस पंक्ति में स्पष्ट हो रहा है?

(क) नीचे से ऊपर उठने की हरियाली पुनः लौट आई

(ख) पहले उदार थी गगन वृष्टि अब तो उदार हो उठे खेत

(ग) आने लग गई धरा पर भी मौसमी हवा छवि प्यारी की

(घ) घिरने गिरने के तरल रहस्यों का सहसा अवसान हुआ

(iv) कविता के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है?

(क) वर्षा का मौसम चला गया है और जाड़े का मौसम शुरू हो गया है।

(ख) पानी में डूबे टीले अभी सूख रहे हैं और उनसे अब मिट्टी की खुशबू आने लगी है।

(ग) बहुत दिनों तक दिन-रात वर्षा हुई जिसके कारण अभी चारों ओर हरियाली छाई है।

(घ) बारिश का मौसम जाने के बाद सारे नाले, नदियाँ, सागरों, सरोवरों से पानी सूख गया है।

(v) वर्षा ऋतु और शरद ऋतु का आपस में क्या संबंध है?

(क) शरद ऋतु में गर्मी और वर्षा ऋतु में मौसम सुहावना रहता है।

(ख) वर्षा और शरद ऋतु दोनों साथ-साथ आती हैं।

(ग) वर्षा ऋतु जाने के बाद शरद ऋतु आती है।

(घ) वर्षा ऋतु से पहले शरद ऋतु आती है।

अथवा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गगन-गगन तेरा यश फहरा
पवन-पवन तेरा बल गहरा
क्षिति-जल-नभ पर डाल हिंडोले
चरण-चरण संचरण सुनहरा
ओ ऋषियों के त्वेष
प्यारे भारत देश।। [1]

वेदों से बलिदानों तक जो होड़ लगी
प्रथम प्रभात किरण से हिम में जोत जागी
उतर पड़ी गंगा खेतों खलिहानों तक
मानो आँसू आए बलि-महमानों तक
सुख कर जग के क्लेश
प्यारे भारत देश।। [2]

जपी-तपी, संन्यासी, कर्षक कृष्ण रंग में डूबे
हम सब एक, अनेक रूप में, क्या उभरे क्या ऊबे
सजग एशिया की सीमा में रहता केद नहीं
काले-गोरे, रंग-बिरंगे हममें भेद नहीं
श्रम के भाग्य निवेश
प्यारे भारत देश।। [3]
- माखनलाल चतुर्वेदी

शब्दार्थ:
क्षिति - पृथ्वि
संचरण - चलना, फैलना
त्वेष - प्रकाशित
बलि-महमानों - बलि राजा और उसकी प्रजा
निवेश - लाभ हेतु किसी व्यापार या कंपनी में धन लगाना

(i) तीसरे परिच्छेद का मूल भाव क्या है?
(क) ज्ञान की महत्ता
(ख) जनता की सत्ता
(ग) अनेकता में एकता
(घ) भेदभावों की प्रमुखता

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) भारत देश किससे प्रकाशित है?
(क) विज्ञान के अविष्कारों और चमत्कारों से
(ख) कृषकों की मेहनत और बलिदानों से
(ग) जनता की ईमानदारी और संघर्ष से
(घ) ऋषियों के ज्ञान और तपस्या से

(iii) कवि ने आँसू किसे कहा है?
(क) गंगा जल को
(ख) वर्षा जल को
(ग) समुद्र को
(घ) खेतों को

(iv) *'प्रथम प्रभात किरण से हिम में जोत जागी'*
रेखांकित शब्दों का क्या अर्थ है?
(क) क्रोधित होना
(ख) संगठित करना
(ग) विद्रोह कर देना
(घ) चेतना उत्पन्न होना

(v) 'श्रम के भाग्य निवेश' से कवि का क्या तात्पर्य है?
(क) मेहनत से भविष्य बनाने का संकल्प करना
(ख) ज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में अधिक मेहनत करना
(ग) अंधश्रद्धाओं और अज्ञान को मिटाने का प्रयास करना
(घ) लोगों को अधिक धन और संपत्ति देने का प्रयास करना

3. निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(i) दिए गए वाक्यों में सरल वाक्य कौन-सा है?
(क) पिताजी चाहते हैं कि मैं सरकारी नौकरी करूँ।
(ख) जब घर आओगे, तब आम के पेड़ पर आम लगे होंगे।
(ग) मोहन के हाथ से काँच का गिलास छूटकर नीचे गिर गया।
(घ) अभ्यास करोगे, तभी तो एकदम स्वादिष्ट खाना बनाना सीखोगे।

(ii) दिए गए वाक्यों में संयुक्त वाक्य कौन-सा है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(क) वह खाना खाकर सो गया।
(ख) अध्यापिका ने कहा कि कल छुट्टी है।
(ग) गीता जिस घर में रहती है, वह बहुत सुन्दर है।
(घ) मैंने आवाज़ सुनी और दौड़कर बाहर चली आई।

(iii) दिए गए वाक्यों को मिलाकर बनाए गए उचित संयुक्त वाक्य को चुनिए।
अभिनव घर गया। वह सो गया।

(क) अभिनव घर जाकर सो गया।
(ख) अभिनव घर जाते ही सो गया।
(ग) अभिनव घर गया और सो गया।
(घ) जब अभिनव घर गया, तब वह सो गया।

(iv) दिए गए मिश्रित वाक्य का अर्थ बदले बिना सरल वाक्य में परिवर्तन कैसे होगा?
जैसे ही मैंने चीख सुनी, मैं दौड़कर बाहर गई।

(क) मुझे चीख सुनाई दी, इसलिए मैं दौड़कर बाहर गई।
(ख) जब मैंने चीख सुनी, मैं दौड़कर बाहर गई।
(ग) मैंने चीख सुनी और दौड़कर बाहर गई।
(घ) चीख सुनते ही मैं दौड़कर बाहर गई।

(v) *सरकार ने किसानों की माँग पूरी करने के लिए गेहूँ की कीमत बढ़ाने की घोषणा की।*
इस वाक्य का अर्थ बदले बिना संयुक्त वाक्य में रूपांतरण किस प्रकार होगा?

(क) जब सरकार ने किसानों की माँग पूरी की, तब गेहूँ की कीमत बढ़ गई।
(ख) जब सरकार ने गेहूँ की कीमत बढ़ाई, तब किसानों की माँग पूरी हो गई।
(ग) सरकार ने किसानों की माँग पूरी करते हुए गेहूँ की कीमत बढ़ाने की घोषणा की।
(घ) सरकार ने गेहूँ की कीमत बढ़ाने की घोषणा की, ताकि किसानों की माँग पूरी हो जाए।

4. निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त 'शांतिपूर्वक' का पद-परिचय क्या होगा?
अच्छे बच्चे कक्षा में शांतिपूर्वक बैठते हैं।

(क) सार्वनामिक विशेषण
(ख) निजतवाचक सर्वनाम

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) 'बैठते हैं' क्रिया का कर्म

(घ) 'बैठते हैं' क्रिया का विशेषण

(ii) निम्नलिखित वाक्य में 'नीरजा' का पद-परिचय क्या होगा?

कबीर नीरजा के लिए मिठाई लाया।

(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, करण कारक

(iii) निम्नलिखित वाक्य में 'कक्षा में' पद का सही पद-परिचय क्या होगा?

जसप्रीत दसवीं कक्षा में पढ़ती है।

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक, 'पढ़ती' क्रिया से संबंध

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, वर्तमान काल, 'पढ़ती' क्रिया से संबंध

(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक, 'पढ़ती' क्रिया से संबंध

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक, 'पढ़ती' क्रिया से संबंध

(iv) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त 'विद्यालय से' का सही पद-परिचय क्या होगा?

वह विद्यालय से अभी-अभी गया है।

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, करण कारक

(ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अपादान कारक

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, सम्बन्ध कारक

(घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, अधिकरण कारक

(v) निम्नलिखित वाक्य में 'लड़कियाँ' का पद-परिचय क्या होगा?

लड़कियाँ विद्यालय जा रही हैं।

(क) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन

(ग) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) निम्नलिखित वाक्य में किसका/किनका प्रयोग कर्म के अनुसार हुआ है?

मोहिनी द्वारा ये पत्र लिखे गए हैं।

(क) केवल वचन

(ख) केवल क्रिया

(ग) केवल वचन और लिंग

(घ) तीनों - क्रिया, वचन और लिंग

(ii) निम्नलिखित वाक्य का कर्तृवाच्य में रूपांतरण किस प्रकार होगा?

लड़कों द्वारा सेब के बगीचे ढूँढ़े जा रहे हैं।

(क) लड़के सेब के बगीचे ढूँढ़ सकते हैं।

(ख) लड़कों ने सेब के बगीचे ढूँढ़ लिए।

(ग) लड़कों से सेब के बगीचे ढूँढ़े गए।

(घ) लड़के सेब के बगीचे ढूँढ़ रहे हैं।

(iv) निम्नलिखित वाक्य का कर्मवाच्य रूप क्या होगा?

धोनी ने सबको पुरस्कार दिए।

(क) धोनी द्वारा सबको पुरस्कार मिल गए।

(ख) धोनी द्वारा सबको पुरस्कार दिए गए।

(ग) धोनी सबको पुरस्कार दे रही है।

(घ) धोनी से सबको पुरस्कार मिले।

(v) निम्नलिखित वाक्य के लिए सही कथन चुनिए।

लड़कियों द्वारा तैरा जा रहा है।

(क) यह कर्मवाच्य है क्योंकि इसमें कर्ता नहीं है।

(ख) यह कृतृवाच्य है क्योंकि इसमें कर्म प्रधान नहीं है।

(ग) यह भाववाच्य है क्योंकि इसमें अकर्मक क्रिया है।

(घ) यह कर्मवाच्य है क्योंकि इसमें अकर्मक क्रिया है।

6. निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) कौन-से रस का स्थायीभाव विस्मय है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(क) अद्भुत
(ख) वीभत्स
(ग) हास्य
(घ) वीर

(ii) निम्नलिखित वाक्य के आलंबन विभाव में आश्रय और विषय क्या है?
बाज़ार में नए खिलौनों को देखकर लाव्या खुशी से कूदने लगी।

(क) आश्रय - खिलौने, विषय - बाज़ार
(ख) आश्रय - खिलौने, विषय - खुशी से कूदना
(ग) आश्रय - लाव्या, विषय - खुशी से कूदना
(घ) आश्रय - लाव्या, विषय - खिलौनों को देखना

(iii) करुण रस की निष्पत्ति किस भाव की अधिकता से होती है?
(क) भय
(ख) शोक
(ग) क्रोध
(घ) निर्वेद

(iv) निम्नलिखित पंक्ति में निहित रस पहचानिए।
सिर पर बैठ्यो काग आँख दोउ खात निकारत।
खींचत जीभहिं स्यार अतिहि आनंद उर धारत।।

(क) रौद्र
(ख) शांत
(ग) करुण
(घ) वीभत्स

(v) *वीर तुम बढ़े चलो, धीर तुम बढ़े चलो।*
सामने पहाड़ हो, सिंह की दहाड़ हो।
इन पंक्तियों में कौन-सा स्थायी भाव है?

(क) उत्साह
(ख) निर्वेद

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) हास
(घ) रति

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

"इस तरह अंग्रेज़ी पढ़ोगे, तो ज़िन्दगी-भर पढ़ते रहोगे और एक हर्फ़ न आएगा। अंग्रेज़ी पढ़ना कोई हँसी-खेल नहीं है कि जो चाहे, पढ़ ले, नहीं तो ऐरा-गैरा नत्थू-खैरा सभी अंग्रेज़ी के विद्वान हो जाते। यहाँ रात-दिन आँखें फोड़नी पड़ती हैं और खून जलाना पड़ता है, तब कहीं यह विद्या आती है। और आती क्या है, हाँ, कहने को आ जाती है। बड़े-बड़े विद्वान भी शुद्ध अंग्रेज़ी नहीं लिख सकते, बोलना तो दूर रहा। और मैं कहता हूँ, तुम कितने घोंघा हो कि मुझे देखकर भी सबक नहीं लेते। मैं कितनी मेहनत करता हूँ, तुम अपनी आँखों से देखते हो, अगर नहीं देखते, जो यह तुम्हारी आँखों का कसूर है, तुम्हारी बुद्धि का कसूर है। इतने मेले-तमाशे होते हैं, मुझे तुमने कभी देखने जाते देखा है? रोज़ ही क्रिकेट और हॉकी मैच होते हैं। मैं पास नहीं फटकता। हमेशा पढ़ता रहता हूँ, उस पर भी एक-एक दरजे में दो-दो, तीन-तीन साल पड़ा रहता हूँ, फिर भी तुम कैसे आशा करते हो कि तुम यों खेल-कूद में वक्त गँवाकर पास हो जाओगे? मुझे तो दो ही तीन साल लगते हैं, तुम उम्र-भर इसी दरजे में पड़े सड़ते रहोगे? अगर तुम्हें इस तरह उम्र गँवानी है, तो बेहतर है, घर चले जाओ और मज़े से गुल्ली-डंडा खेलो। दादा की गाढ़ी कमाई के रूपये क्यों बरबाद करते हो?"

(i) अंग्रेज़ी के बारे में बड़े भाई साहब के क्या विचार हैं?
(क) यह भाषा अत्यंत रोचक है।
(ख) यह भाषा बहुत ही नीरस है।
(ग) यह भाषा हिंदी से मिलती-जुलती है।
(घ) यह भाषा सीखने में बहुत ही कठिन है।

(ii) बड़े भाई साहब ने लेखक को घर वापस चले जाने की सलाह क्यों दी?
(क) क्योंकि घर पर दादा को रुपयों की आवश्यकता थी।
(ख) क्योंकि लेखक को घर पर गुल्ली-डंडा खेलना पसंद था।
(ग) क्योंकि लेखक कई वर्षों से एक ही कक्षा में पढ़ रहा था।
(घ) क्योंकि उनके अनुसार लेखक अपना समय बर्बाद कर रहा था।

(iii) बड़े भाई साहब क्रिकेट और हॉकी के मैच देखने क्यों नहीं जाते?
(क) क्योंकि उन्हें मेले-तमाशे देखना ज़्यादा पसंद है।
(ख) क्योंकि वे पढ़ाई करना ज़्यादा ज़रूरी समझते हैं।
(ग) क्योंकि पढ़ाई के बाद उनके पास समय नहीं बचता।
(घ) क्योंकि उन्हें क्रिकेट और हॉकी में दिलचस्पी नहीं है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iv) बड़े भाई साहब छोटे भाई से कठोरता से क्यों पेश आते थे?

(क) क्योंकि वे छोटे भाई की भलाई चाहते थे।

(ख) क्योंकि वे छोटे भाई से नफ़रत करते थे।

(ग) क्योंकि वे छोटे भाई से ईर्ष्या करते थे।

(घ) क्योंकि वे बड़े गुस्सैल स्वभाव के थे।

(v) *'और मैं कहता हूँ, तुम कितने घोंघा हो कि मुझे देखकर भी सबक नही लेते।'*

रेखांकित मुहावरे का क्या अर्थ है?

(क) अंधा होना

(ख) आलसी होना

(ग) शरारती होना

(घ) बेवकूफ़ होना

8. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए।

(i) 'सपनों के से दिन' पाठ में लेखक ने __________ की मदद से अपनी पढ़ाई जारी रखी।

(क) दोस्तों

(ख) घरवालों

(ग) मास्टर प्रीतमचंद

(घ) हेडमास्टर साहिब

(ii) शेख अयाज़ के पिता, सोलोमेन और लेखक की माँ में क्या समानता थी?

(क) वे बहुत साहसी थे।

(ख) वे पशु-पक्षियों की भाषा समझते थे।

(ग) वे पशु-पक्षियों की भावनाओं को समझते थे।

(घ) वे गलती को माफ़ करने की प्रार्थना करते थे।

9. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माँहि।
ऐसैं घटि घटि राँम है, दुनियाँ देखै नाँहिं॥

निंदक नेड़ा राखिए, आँगणि कुटी बँधाइ।
बिन साबण पाँणीं बिना, निरमल करै सुभाइ॥

(i) दूसरे दोहे में प्रयुक्त शब्द 'सुभाई' का मानक रूप क्या है?

(क) वाणी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) सुबह
(ग) शरीर
(घ) स्वभाव

(ii) कवि के अनुसार, मृग जंगल में किसकी खोज में घूमता रहता है?
(क) पानी की
(ख) खाने की
(ग) ईश्वर के दर्शन की
(घ) सुगंध के स्रोत की

(iii) पहले दोहे में 'घटि घटि राँम है' का अर्थ है कि भगवान राम _________ विद्यमान हैं।
(क) हर घर में
(ख) हर मंदिर में
(ग) सबके अंतर्मन में
(घ) पहाड़ों की घाटियों में

(iv) दूसरे दोहे में प्रयुक्त 'आँगणि कुटी बँधाइ' से क्या तात्पर्य है?
(क) मदद करना
(ख) निरादर करना
(ग) घर से दूर रखना
(घ) अपने पास रखना

(v) हमें किन लोगों को अपने पास रखना चाहिए?
(क) जो हमसे प्यार करते हैं
(ख) जो हमें अच्छी तरह जानते हैं
(ग) जो हमारी आलोचना करते हैं
(घ) जो हमारा स्वभाव बदलना चाहते हैं

10. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए।

(i) कवि के अनुसार कौन 'मनुष्य' कहलाने योग्य है?
(क) जो मनुष्य अपने लिए जीता है
(ख) जो मनुष्य दूसरों से बातचीत करता है
(ग) जो मनुष्य दूसरों को सच्चाई की राह पर चलने की प्रेरणा देता है
(घ) जो मनुष्य दूसरों को अखंड भाव और भाईचारे की भावना में बाँधता है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर निश्चित रूप से कह सकते हैं कि कवि ____________ है।

(क) प्रकृति प्रेमी

(ख) भूगोल शास्त्री

(ग) पर्यावरण संरक्षक

(घ) वनस्पति वैज्ञानिक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in